

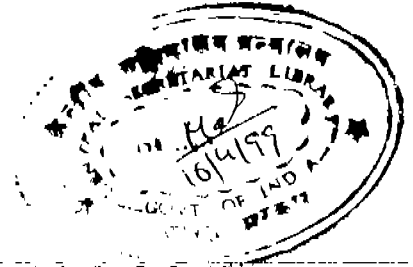


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 858]

नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 30, 1998/पौष 9, 1920

No. 858]

NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 30, 1998/PAUSA 9, 1920

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(पूंजी बाजार प्रभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर, 1998

का. आ. 1131(अ).— भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 § 1882 का 2§ की धारा 20 के खण्ड § च§ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार सतद्वारा उक्त धारा के प्रयोजन के लिए प्रतिभूति के रूप में भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, मुम्बई जो भारतीय औद्योगिक विकास बैंक अधिनियम, 1964 § 1964 का 18§ की धारा 3 के तहत स्थापित निगम है, द्वारा जारी किए जाने वाले पन्द्रह सौ करोड़ रुपये से अनधिक के कुल मूल्य के अप्रतिभूत मोचनीय बांड -आई डी बी आई एलैक्सीबांड 5 प्राधिकृत करती हैं जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं :-

§ 1§ रेगुलर डेन्कम बांड

§ 11§ ग्रीडिंग इंस्ट्रुस्ट बांड

॥ १११॥ मल्टीआप्शन बाँड

॥ ११॥ इन्फ्रास्ट्रक्चर ॥ टैक्स सेविंग बाँड ॥

[एफ. सं. 6/21/सी.एम./98]

यू. शरत चन्द्रन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Economic Affairs)
(CAPITAL MARKET DIVISION)

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th December, 1998

S. O. 1131(E).— In exercise of the powers conferred by clause(f) of section 20 of the Indian Trusts Act, 1882 (2 of 1882), the Central Government hereby authorises the IDBI Flexibonds 5 comprising:-

- (i) Regular Income Bonds;
- (ii) Growing Interest Bonds;
- (iii) Multioption Bonds;
- (iv) Infrastructure (Tax Saving) Bonds

being unsecured redeemable bonds of the aggregate value not exceeding rupees one thousand five hundred crores only to be issued by the Industrial Development Bank of India, Mumbai, a corporation established under section 3 of the Industrial Development Bank of India Act, 1964 (18 of 1964), as securities for the purpose of the said section.

[F. No. 6/21/CM/98]

U. SARAT CHANDRAN, Jt. Secy.